

Marshall and Demand Analysis B.A.-I (Hons.)

DEMAND (माँग)

KUMARI RAJANI SINGH
ECONOMICS, G.J. College.

किसी वस्तु के माँग से आशय क्रेता द्वारा वस्तु की माँगी गई उस मात्रा से है जिसे क्रय करने के लिए उसके पास पर्याप्त क्रय-शक्ति, क्रय की इच्छा, वस्तु की उपलब्धता, दिने हुए मूल्य और समय पर उपलब्ध है।

किसी वस्तु की माँग अनेक आर्थिक और गैर-आर्थिक कारकों पर निर्भर करती है। आर्थिक कारकों में वस्तु का मूल्य, क्रेता की आय तथा अन्य संबन्धित वस्तुओं के मूल्य महत्वपूर्ण होते हैं।

माँग फलन (Demand Function)

$$D = f(P, Y, P_o)$$

D = Demand, P = वस्तु का मूल्य

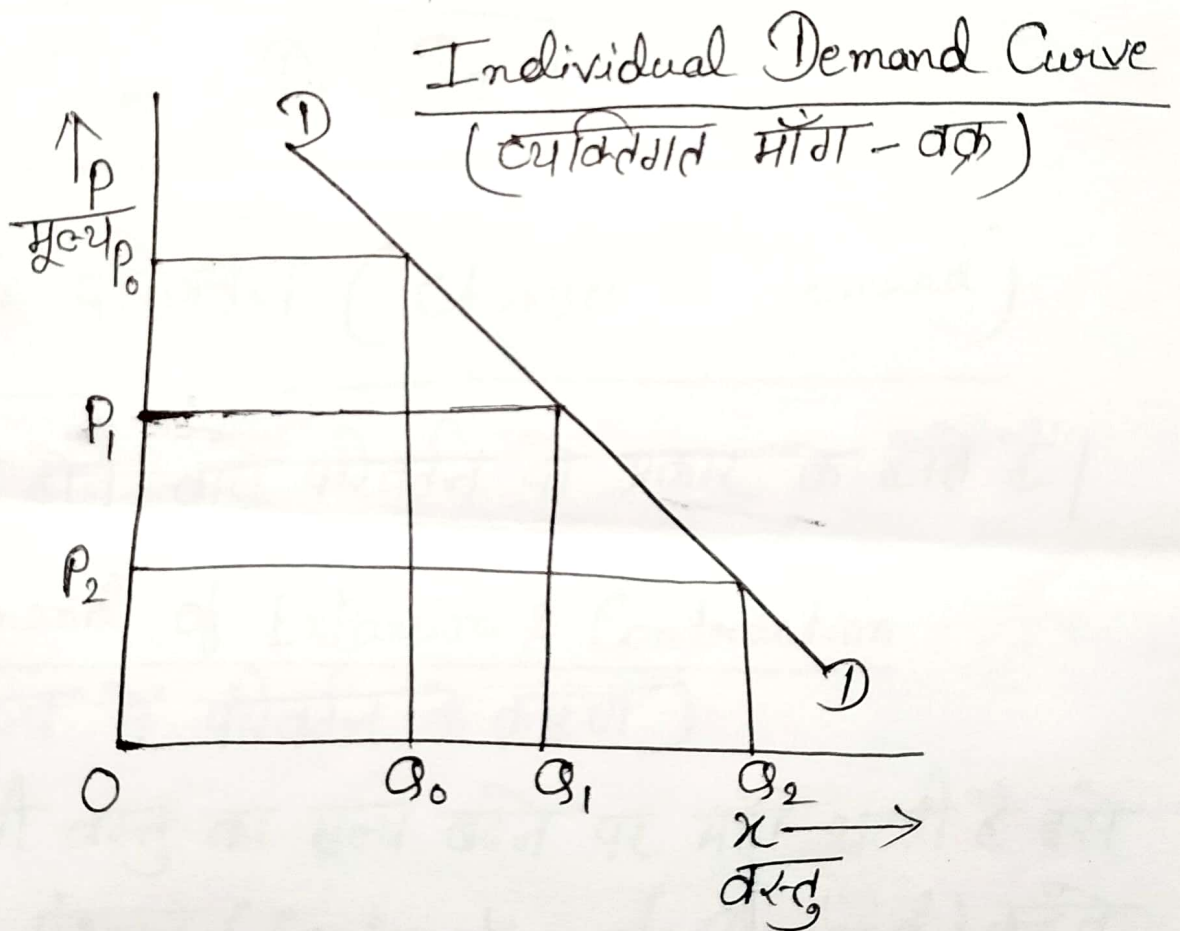
Y = क्रेता की आय, P_o = अन्य संबन्धित वस्तुओं का मूल्य

मूल्य - माँग संबंध (Price - Demand Relation)

$$D = f(P)$$

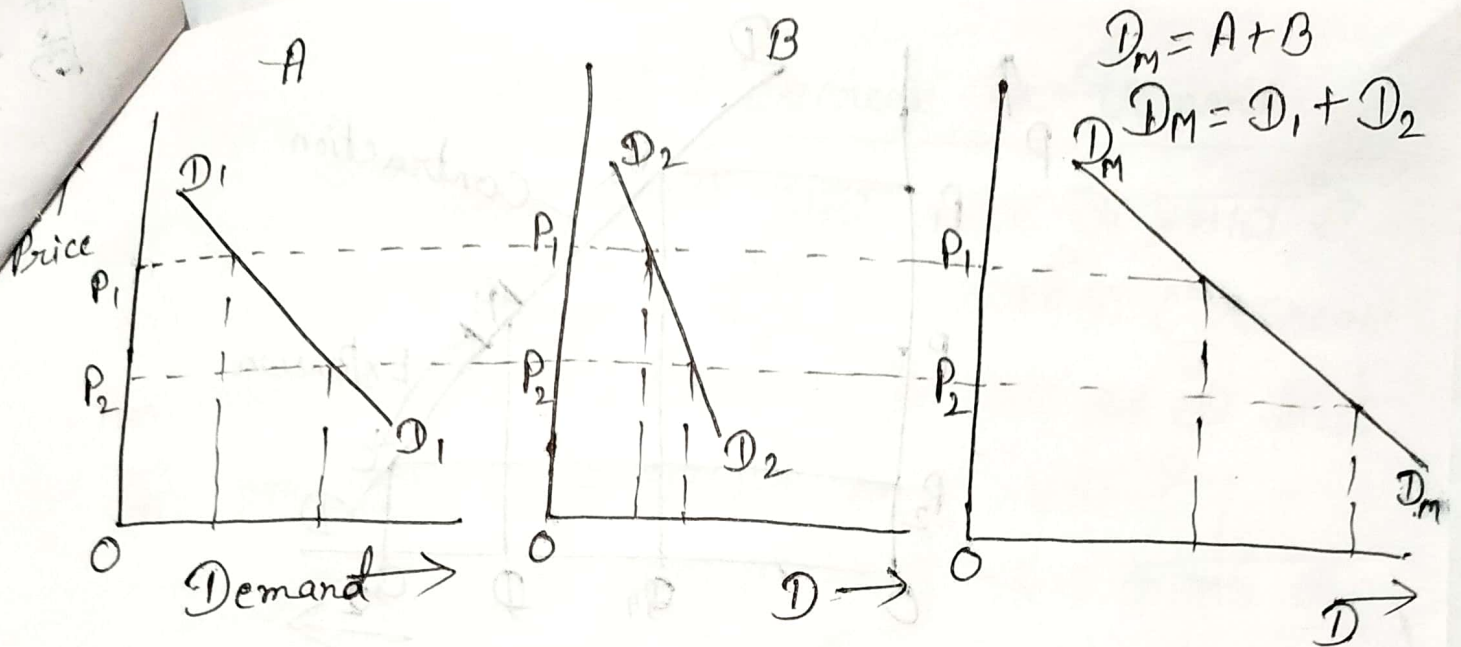
अन्य बातें समान रहने पर किसी वस्तु के मूल्य और माँग के मध्य विपरीत संबंध होता है अर्थात् मूल्य के बढ़ने पर माँग घटती है और मूल्य के घटने पर माँग बढ़ जाती है।

इसे माँग का नियम भी कहते हैं। इसे प्रो० अल्फ्रेड मार्शल ने दिया था।



बाजार माँग वक्र (Market Demand Curve)

Individual Demand Curve का Horizontal Addition करने पर बाजार माँग वक्र प्राप्त होता है।



$$D_M = D_1 + D_2$$

माँग में परिवर्तन (Changes in Demand)

माँग में होने वाले परिवर्तन दो प्रकार के होते हैं।

1) Demand of Expansion & Contraction (मूल्य में परिवर्तन के कारण)

जब किसी वस्तु का मूल्य बढ़ने पर माँग घटती है इसे माँग का संकुचन (Contraction of Demand) कहते हैं इसे माँग वक्र पर बाँची और गति द्वारा प्रदर्शित करते हैं।

जब किसी वस्तु का मूल्य घटने पर माँग बढ़ती है इसे माँग का विस्तार कहते हैं। माँग विस्तार को माँग वक्र पर दाहिने और गति द्वारा प्रदर्शित करते हैं।

Increase in Demand & Decrease in Demand

जब मूल्य के अलावा किसी अन्य कारक के प्रभाव से माँग घटती हो तो उसे माँग का विकर्षण (Decrease in Demand) कहते हैं। विकर्षण को माँग वक्र को बाँयी ओर विस्थापित करके प्रदर्शित किया जाता है।

जब मूल्य के अलावा किसी अन्य कारक के प्रभाव से माँग बढ़ती है। Increase in Demand कहते हैं। इसे माँग वक्र को दाहिनी ओर विस्थापित करके प्रदर्शित किया जाता है।

